अध्याय-3 | उपभोक्तावाद की संस्कृति | श्यामाचरण दुबे

Worksheet-1

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर हमारी आस्थाओं का क्या हुआ है?

(अ) क्षरण (ब) तरण

(स) भरण (द) रक्षण

2. श्यामाचरण दुबे लेखक के अनुसार, संगीत की समझ न होने पर भी म्यूजिक सिस्टम खरीदना क्या दर्शाता है?

(अ) दिखावे की संस्कृति (ब) संगीत की ओर आकर्षक

(स) संगीत का प्रलोभन (द) संगीत सीखने की ललक

3. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर बताइए कि हम जाने-अनजाने में किस ओर समर्पित होते जा रहे हैं?

(अ) उत्पादन बढ़ाने की ओर (ब) नए जीवन दर्शन की ओर

(स) उत्पाद की ओर (द) नई संस्कृति की ओर

4. सामंती व उपभोक्ता संस्कृति में अंतर है?

(अ) उपभोक्ता ने सामंती को और सामंती संस्कृति ने उपभोक्ता संस्कृति को जन्म दिया

(ब) सामंती संस्कृति ने उपभोक्ता संस्कृति को जन्म दिया

(स) इनमें से कोई नहीं (द) उपभोक्ता ने सामंती को जन्म दिया है

5. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर किसी भी व्यक्ति की मानसिकता को कौन-सा सूक्ष्म तंत्र परिवर्तित कर रहा है?

(अ) सौंदर्य तंत्र (ब) विज्ञापन तंत्र

(स) विलासिता संबंधी वस्तुएँ (द) इनमें से कोई नहीं

6. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर बताइए कि माउथ वॉश क्या कार्य करता है?

(अ) मसूड़ों को मजबूत करता है (ब) दाँतों को मजबूत बनाता है

(स) मुँह की दुर्गंध दूर करता है (द) दाँतों को मोती जैसा चमकाता है

7. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर बताइए ग्राहक को लुभाने के लिए बाजार में किस प्रकार की सामग्रियाँ भरी हुई हैं?

(अ) विलासिता संबंधी (ब) अत्यंत महँगी सामग्री

(स) स्वास्थ्य वर्धक सामग्री (द) सौंदर्य प्रसाधन संबंधी

8. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के लेखक कौन हैं?

(अ) श्यामाचरण दुबे (ब) राहुल सांकृत्यायन

(स) प्रेमचंद (द) जाबिर हुसैन

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. श्यामाचरण दुबे का देहांत किस सन् में हुआ था?

(अ) 1995 (ब) 1996

(स) 1997 (द) 1994

10. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर किन की भीड़ चमत्कृत कर देने वाली है?

(अ) पुस्तकों की (ब) खाद्य पदार्थों की

(स) वस्त्रों की (द) सौंदर्य प्रसाधनों की

रिक्त स्थान :

11. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर सम्मोहन और वशीकरण की शक्ति _____ है।

12. श्यामाचरण दुबे ने _____ विश्वविद्यालय से पीएच० डी० की थी।

सत्य / असत्य

13. श्यामाचरण दुबे का जन्म हिमाचल प्रदेश में हुआ था।

14. श्यामाचरण दुबे का जन्म सन् 1922 में हुआ था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. लेखक ने पिज्जा और बर्गर को कूड़ा खाद्य क्यों कहा है?

16. आक्रोश और अशांति किसके कारण जन्म ले रही है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. गांधीजी ने उपभोक्तावादी संस्कृति को देखकर क्या कहा है?

18. संस्कृति की कौन-सी नियंत्रक शक्तियाँ हैं, जो अब क्षीण हो चली हैं? उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या न हो, लेकिन टी.वी. पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं। क्यों?

20. उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही दिखावे की संस्कृति पर विचार व्यक्त कीजिए

HOTS

21. आज की संस्कृति को लेखक ने क्या नाम दिया है? उसमें विज्ञापनों की क्या भूमिका है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. (अ) क्षरण।
2. (अ) दिखावे की संस्कृति।
3. (स) उत्पाद की ओर।
4. (ब) सामंती संस्कृति ने उपभोक्ता संस्कृति को जन्म दिया।
5. (ब) विज्ञापन तंत्र।
6. (स) मुँह की दुर्गंध दूर करता है।
7. (अ) विलासिता संबंधी।
8. (अ) श्यामाचरण दुबे।
9. (ब) 1996।
10. (द) सौंदर्य प्रसाधनों की।
11. **रिक्त स्थान :** विज्ञापन में
12. **रिक्त स्थान :** नागपुर
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के कारण।
16. जीवन स्तर में बढ़ते अंतर के कारण।
17. उपभोक्तावादी संस्कृति को देखकर गांधीजी ने कहा था कि उपभोक्तावादी संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है, इसलिए हम स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों को ही अपनाएँ और अपनी बुनियाद पर कायम रहें, वरना भविष्य में यह एक बड़ा खतरा हो सकता है।
18. धर्म, परंपराएँ, मर्यादाएँ तथा आस्थाएँ भारतीय संस्कृति की नियंत्रक शक्तियाँ हैं, जो अब खंडित होती जा रही हैं। इन शक्तियों के प्रति लोगों के विश्वास टूटने लगे हैं, क्योंकि इनका स्थान पाश्चात्य परंपराएँ, आस्थाएँ लेती जा रही हैं।
19. टीवी पर दिखाए जाने वाले उत्पादों के विज्ञापन बहुत ही लुभावने तरीके से बनाए जाते हैं। ऐड बनाने वाले विज्ञापन में ऐसे दृश्य दिखाते हैं जिसकी वजह से हम उसे खरीदने के लिए लालायित हो उठते हैं। इसकी और भी कई वजह हैं—

i. टीवी पर दिखाए गए विज्ञापनों में वस्तुओं के गुणों का बखान बढ़ा-चढ़ाकर किया जाता है।
ii. विज्ञापन में फिल्म अभिनेता उन उत्पादों का इस्तेमाल करते दिखते हैं। उसे देख ऐसा लगता है कि इसके इस्तेमाल से हम भी अभिनेता जितने खूबसूरत हो जाएँगे।
iii. विज्ञापनों में वस्तुओं की तुलना दूसरे उत्पादों से कर उसे बेहतर बताया जाता है। उस उत्पाद को ऐसी समृद्ध जीवन-शैली के साथ जोड़कर दिखाया जाता है कि हम उसी समृद्ध शैली में जीने की इच्छा करके विज्ञापित वस्तु खरीद लेते हैं।
iv. कभी छोटे बच्चे तो कभी घर में किसी प्रिय के दबाव में आकर भी हम वस्तुओं को खरीद लेते हैं।
v. विज्ञापन वस्तुओं के साथ मुफ्त या छूट का लोभ हमें वह सामान खरीदने के लिए प्रेरित करता है।

20. आज के उपभोक्तावादी युग ने समाज में दिखावे की संस्कृति को जन्म दिया है। बाजार में तरह-तरह की वस्तुएँ भरी पड़ी हैं। जिनकी नुमाइश दुकान के बाहर लगाई जाती है। इस चमक-दमक को देख लोग उस वस्तु को खरीदने पर विवश हो जाते हैं। कई बार तो ऐसा भी होता है कि जरूरत ना होने पर भी लोग सामान खरीद लेते हैं। ऐसा दिखावे के वशीभूत होकर करते हैं। इतना ही नहीं दिखावे के चक्कर में महँगी वस्तु खरीदने से भी नहीं चूकते। जबकि वही काम कम दाम की वस्तु में भी हो सकता है। जैसे लोग 2 लाख तक की घड़ी खरीदकर पहनते हैं। जबकि समय तो पाँच सौ रुपए की घड़ी भी बताती है। पाँच सितारा होटल में खाना और महंगे कपड़े पहनना, ये सब दिखावे का हिस्सा है। दिखावे की इस प्रवृत्ति से मनुष्य में आक्रोश और तनाव बढ़ रहा है।
21. आज की संस्कृति को लेखक ने 'उपभोक्तावाद' का नाम दिया है। इस उपभोक्तावादी संस्कृति में विज्ञापन उपभोक्ता को भड़काने का काम करते हैं। लोगों में लालच की प्रवृत्ति को बढ़ाते हैं। विज्ञापन का काम ही है, वस्तुओं को नए-नए तरीके से प्रस्तुत करना, जिससे उपभोक्ता उससे प्रभावित होकर पुरानी वस्तु को बेकार समझने लगता है और विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के जाल में फँसता चला जाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | Test Series
Download Mission Gyan App